साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** | संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 49 गोंदिया : गुरुवार, 15 से 21 जुलाई 2021 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

गोंदिया की नई प्रशासकीय इमारत की

वाहन पार्किंग पर अर्जनविसों का कब्जा

कार्यालय में आने वाले नागरिकों को वाहन रखते समय दिखा रहे दादागिरी

नवीन अग्रवाल – गोंदिया की नई प्रशासकीय इमारत में २८ से अधिक कार्यालय हैं। जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों नागरिकों का आवागमन लगा रहता है। जिनकी सुविधा के लिए इमारत के पीछे वाहनों की पार्किंग बनाई गई है। जिसमें से कुछ स्थान अर्जनविसों को बैठने के लिए भी दी गयी है। लेकिन अब उनके द्वारा धीरे-धीरे पूरी वाहन पार्किंग पर कब्जा किया जा रहा है। साथ ही वाहन रखने के लिए आने वाले नागरिकों को दादागिरी दिखा रहे हैं।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर के जयस्तंभ चौक परिसर स्थित नई प्रशासकीय इमारत में तहसील से संबंधित विभिन्न विभागों के २८ से अधिक कार्यालय स्थापित है। जिसमें विभिन्न कामों के लिए शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के हजारों नागरिक प्रतिदिन आते हैं। जिनके वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था इमारत के पिछले हिस्से में की गई है। जहां वे अपने वाहन रखा करते थे। लेकिन गत कुछ दिनों से देखने में आ रहा है कि वाहनों के पार्किंग स्थल पर तहसील परिसर में कार्य करनेवाले अर्जनविसों द्वारा धीरे-धीरे अवैध रुप से अपना कब्जा बढ़ाते हुए पार्किंग का स्थान कम करना शुरु कर दिया है।

साथ ही जब कार्यालय में अपने कार्यों के लिए आने वाले नागरिक अपने दुपहिया वाहन पार्किंग स्थल पर रखने के लिए जाते हैं तो उन्हें यहां पर वाहन रखने से मना किया जा रहा है। यदि कोई नागरिक इसका विरोध करता है तो उसके साथ विवाद करते हुए दादागिरी पर उतर आते हैं। जिससे अब नागरिकों के समक्ष यह संकट निर्माण हो रहा है कि वह कार्यालय में अपने वाहन कहां रखें। जिसके चलते अब कार्यालय के सामने दुपहिया वाहनों की नो-पार्किंग जोन में वाहन रखने की नौबत आ गई है। जिससे कार्यालय पार्किंग व्यवस्था चरमरा गई है। उक्त समस्या कब हल होगी? इस ओर लोगों कि नजरे टिकी हुई है।

जिला अधिकारी द्वारा हटाया गया था

नई प्रशासकीय इमारत में कार्य करने वाले अर्जनविस इसके पूर्व पुराने अपर तहसीलदार कार्यालय की इमारत में बैठकर कार्य करते थे। लेकिन पूर्व जिलाधिकारी दीपककुमार मीना द्वारा उन्हें वहां से हटाया गया था। क्योंकि अर्जुनविसों की किसी भी प्रकार की अधिकृत जगह नहीं है तथा वे वहां पर शासकीय बिजली का भी दुरुपयोग कर रहे थे।

नई इमारत में भी नहीं मिली अधिकृत जगह

नई प्रशासकीय इमारत में सैकड़ों अर्जुनविस कार्य करते हैं। लेकिन उन्हें शासन द्वारा अधिकृत रुप से स्थान नहीं दिया गया है। केवल मानवता के नाते उन्हें वहां बैठने दिया जा रहा है। लेकिन वे अब उसका दुरुपयोग कर मनमानी कर रहे हैं।

परिसर में स्वच्छता का उल्लंघन

नई प्रशासकीय इमारत गोंदिया शहर की शान है। इमारत को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखना सभी का नैतिक कर्तव्य है। लेकिन उपरोक्त स्थान पर कार्य करने वाले अर्जनविसों द्वारा परिसर की स्वच्छता ना कर स्वच्छ भारत अभियान का उल्लंघन कर इमारत को गंदा तथा बदसूरत बनाने का भी कार्य किया जा रहा है।

अवैध दलालों का भी कब्जा

अर्जनविस के रुप में कार्य करने के नाम पर अवैध दलालों का भी यहां पर मजमा दिखाई देता है। जिनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली भोलीभाली जनता को काम करवाकर देने के नाम पर अवैध वसूली भी की जा रही है।

परिसर से वाहनों की चोरी जिम्मेदार कौन?

विशेष यह है कि इमारत परिसर से गत कुछ समय से दुपहिया वाहनों की चोरी की घटना भी घटित हो रही है। अर्जनविसों की भीड़ का लाभ उठाकर वाहन चोर भी परिसर में अपना स्थान बना चुके हैं। जिससे वाहन चोरी होने की घटना के लिए जिम्मेदार कौन? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

शिकायत मिलने पर कार्रवाई

नई प्रशासकीय इमारत में अर्जनविसों को अधिकृत रुप से जगह नहीं दी गई है। लेकिन यदि पार्किंग के संदर्भ में शिकायत आने पर उन पर कार्रवाई की जाएगी।

– वंदना सवरंगपते,
उपविभागीय अधिकारी, गोंदिया

नवेगांव नागझिरा संरक्षित अभयारण्य में पहली बार दिखा ब्लैक लेपर्ड

वन्यजीव गणना के दौरान हुए केमरे में केद रस्टी स्पॅटेड केट भी दिखी

गोंदिया-भंडारा जिले के संरक्षित वन क्षेत्र नवेगांव नागझिरा राष्ट्रीय व्याघ्र प्रकल्प के नवेगांव परिसर में फरवरी से मार्च माह तक हुई वार्षिक वन्यजीव गणना के दौरान वन विभाग द्वारा लगाए गए केमरे में पहली बार ब्लैक लेपर्ड (काला तेंदुआ) मेलेनिन स्टिक पैंथर केमरे में केद हुआ है। नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व एनएनटीआर प्रकल्प में केमरे टैपिंग का यह डाटा देहरादून वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को विश्लेषण के लिए भेजा गया था। इस संदर्भ में भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक डॉ.बिलाल हबीब ने अपने ट्विटर पर इसका फोटो शेयर किया। किंतु यह नर मादा की जोड़ी नवेगांव परिसर के किस क्षेत्र में नजर आयी इसकी जानकारी सामने नहीं आ पाई है। इस संदर्भ में एनएनटीआर क्षेत्र सहायक मानिकचंद रामानुजम ने बताया कि एनएनटीआर फील्ड स्टाफ द्वारा केमरा ट्रैप अभियान का डाटा डब्लूआईआई को भेजा गया था।

उल्लेखनीय है कि वर्ष २०१९-२० में ताडोबा अंधारी व्याघ्र प्रकल्प के साथ पेंच व्याघ्र प्रकल्प में भी काला तेंदुआ नजर आया था। लेकिन नवेगांव नागझीरा

अभयारण्य में पहली बार काले रंग के नर तेंदुए के साथ मादा तेंदुआ भी नजर आ रही है। इस संदर्भ में गोंदिया के मानद वन्यजीव संरक्षक ने कहा कि यह फोटो नवेगांव परिसर की होकर यहां तेंदुए के लिए पोषक वातावरण निर्माण हुआ है। वही मानद वन्यजीव संरक्षक शाहिद परवेज खान ने कहा कि नवेगांव परिसर में अब विशेष ध्यान देने के साथ जरुरी कदम उठाने की जरुरत है। नागझिरा अभयारण्य में काला तेंदुआ दिखाई देने की खबर फैलते ही वन्यजीव प्रेमी व पर्यटक यहां आने के इच्छुक हैं किंतु बारिश में जंगल सफारी बंद हो जाने से उन्हें और इंतजार करना होगा।

उत्कृष्ट जैव विविधता का उदाहरण

एनटीआर में दिखाई देने वाले काले तेंदुए का काला रंग फीका होकर कुछ जेनेरिक अभिव्यक्त की समस्या हो सकती है। डॉ.बिलाल हबीब द्वारा ट्विटर अकाउंट पर शेयर किए गए फोटो में रस्टी स्पॉटेड केट अपने दो बच्चों के साथ नजर आयी। यह बिल्ली अक्सर पेड़ों पर पाई जाती है। वह जमीन पर बेहद कम दिखाई देती है। यह उत्कृष्ट जैव विविधता का उदाहरण है।

– नदीम खान, मानद वन्यजीव संरक्षक, भंडारा

एक वर्ष से मिल रहे थे मौजूदगी के संकेत

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प में २ ब्लॉक हैं। वार्षिक वन्यजीव गणना के समय फरवरी व मार्च माह में २५ दिनों तक के लिए केमरे लगाए गए थे। केमरे का डेटा विश्लेषण के दौरान नवेगांव ब्लॉक में ब्लैक लेपर्ड (काला तेंदुआ) नजर आया। इसके पूर्व भी इसके यहां उन्हें के संकेत मिले हैं। साथ ही दुर्लभ प्रजाति की रस्टी स्पॉटेड केट की संख्या यहां अधिक है। यह पिछले एक वर्ष से नजर आ रही थी।

गोंदिया की नई जिलाधिकारी नियुक्त हुई नयना गुंडे

गोंदिया जिले के पूर्व जिला अधिकारी दीपककुमार मीना के तबादले के पश्चात प्रभारी जिलाधिकारी के रुप में राजेश खवले कार्य कर रहे थे। जिनके द्वारा कुछ ही दिनों में अपने कार्यों से विशेष पहचान बनाई गई। अब राज्य सरकार द्वारा जिले के नए जिलाधिकारी के रुप में नयना गुंडे को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के निर्माण के पश्चात २१ वर्षों में दूसरी बार महिला जिलाधिकारी जिले को मिल रही है। इसके पूर्व डॉ. कादंबरी बलकवड़े महिला जिला अधिकारी के रुप में कार्य कर अपनी विशिष्ट कार्यप्रणाली की छाप छोड़ी थी। जिसके पश्चात अब फिर से जिलाधिकारी के रुप में महिला अधिकारी नयना गुंडे की नियुक्ति हुई है। वह अब तक पुणे यशदा में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्य कर रही थी। जिसके पश्चात वे अब गोंदिया के जिलाधिकारी का पदभार स्वीकार करेंगी।

उल्लेखनीय है कि नई जिलाधिकारी नयना गुंडे वर्ष १९९२ में महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग से उपजिला अधिकारी नियुक्त हुई थी। जिसमें वे नासिक, सोलापुर, सांगली तथा उस्मानाबाद में विभिन्न पदों पर कार्यरत करती रही। जिसके पश्चात वर्ष २००७ में नयना गुंडे का भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोशन हुआ तथा वे वर्धा जिले में जिला परिषद के सीईओ, नागपुर में वर्ष २०१६ में म्युनिसिपल कारपोरेशन की अतिरिक्त आयुक्त, पुणे महानगर परिवहन मंडल लिमिटेड में वर्ष २०२० में सीएमडी रही तथा वहीं ट्राईबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (सीआरटीआई) में भी कार्य किया है। वर्तमान में वे यशदा पुणे की डिप्टी डायरेक्टर के पद से गोंदिया जिलाधिकारी का पदभार स्वीकार करेंगी।

कवलेवाड़ा मार्ग पर सड़ी-गली अवस्था में मिला युवक का शव

हत्या या आत्महत्या?

गोंदिया – ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले कवलेवाड़ा मार्ग पर कोठारी गैस गोदाम परिसर के जंगल में १२ जुलाई की सुबह ७.०० बजे के दौरान सड़ी-गली अवस्था में एक युवक का शव दिखाई दिया। जिसकी जानकारी परिसर के नागरिकों द्वारा ग्रामीण पुलिस थाने को दी गई। पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक युवक की पहचान बरबसपूरा/बटाना निवासी कुलदीप हीरालाल बिसेन (२१) के रुप में की गयी। मृतक के शव का पंचनामा कर शव विच्छेदन के लिए भिजवा कर मामले की जांच शुरु की। घटनास्थल पर जन चर्चा के अनुसार मृतक युवक गोंदिया की एक ड्राइविंग स्कूल में काम करता था जिसमें ड्राइविंग स्कूल के एक वाहन का दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर गाड़ी को हुए नुकसान भरपाई के रुप में मालक द्वारा डेढ़ लाख रुपए की मांग की गयी थी। जिसके चलते दोनों के बीच विवाद शुरु था।

मृतक ७ जुलाई से अपने घर से लापता था। इस संदर्भ में परिजनों द्वारा उसकी गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार चिकित्सक के प्राथमिक अहवाल के अनुसार मृतक के साथ किसी भी प्रकार के मारपीट या वार के निशान नहीं पाए गए हैं तथा शव ४ से ५ दिन पुराना होने के चलते सड़ी-गली अवस्था में पहुंच चुका था। फिलहाल पुलिस द्वारा आत्महत्या का मामला दर्ज कर सभी संभावनाओं पर जांच की जा रही है।

खातिया जिला परिषद स्कूल से चोरी हुआ कम्प्यूटर सिस्टम

सीएसआर प्रोग्राम अंतर्गत बिरसी विमानतल ने दिया था डिजिटल सिस्टम। छात्र करते थे डिजिटल सिस्टम से पढ़ाई

विजेंद्र मेश्राम, खातिया – गोंदिया तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम खातिया की जिला परिषद पाठशाला मे कम्प्यूटर सिस्टम चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। जिसमें ४०००० के कंप्यूटर सिस्टम की चोरी होने की रिपोर्ट रावणवाड़ी पुलिस थाना में दर्ज कराई गई। घटना की जानकारी ८ जुलाई को जब कक्षा का कमरा खोल कर देखा गया, तब पता चला। यह कोरोना की वजह से काफी दिनों से बंद पड़ा हुआ था। यह बता दें कि सीएसआर प्रोग्राम अंतर्गत बिरसी विमानतल के माध्यम से जिला परिषद पाठशाला की कक्षाएं डिजिटल की गई थी। डिजिटल किए गए कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई करते थे।

८ जुलाई को ग्राम खातिया के जिला परिषद स्कूल से चुराए गए कूप्यूटर की रिपोर्ट मुख्याध्यापक गणेश नारायण चुटे ने रावणवाड़ी थाने में की। भादवि की धारा ४५७, ४५४, ३८० के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसकी जांच पुलिस हवलदार राजू वरखड़े कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार खिड़की तोड़कर अज्ञात तत्वों ने चोरी को अंजाम दिया है।

वर्ष २०१९ में बिरसी जिला परिषद शाला में हुई थी चोरी

इसके पूर्व २९ नवंबर २०१९ को तहसील अंतर्गत ग्राम बिरसी की जिला परिषद पाठशाला के भी डिजिटल कक्षाओं से पीसीओ प्रोजेक्टर व कम्प्यूटर की चोरी की गई थी। जिसका मामला रावनवाड़ी पुलिस थाने में दर्ज कराया गया था। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से बाधित हुए क्षेत्र का विकास हो इस दृष्टिकोण से सीएसआर प्रोग्राम अंतर्गत बिरसी विमानतल समीपस्थ ग्रामों में जिनमें खातिया, बिरसी, कामठा इन जिला परिषद पाठशाला में विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा हेतु यह उपकरण मुहैया कराए गए थे। परंतु दो-तीन वर्षों में डिजिटल कक्षाओं से हो रहे हैं सामग्री चोरी से अब विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा ग्रहण करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

संपादकिय

बेकाबू ईंधन

इस वक्त महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। उस पर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब लगभग पूरे देश में पेट्रोल की कीमत सौ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। डीजल भी उसी के नक्शे-कदम पर चल रहा है। कुछ दिनों पहले ही रसोई गैस के सिलिंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी की गई थी। अभी प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी और पाईप के जरिए घरों में पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की दरों में भी इजाफा कर दिया गया है।

स्वाभाविक ही, इसका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कोरोना काल में बाजार, कारोबार, उद्योग-धंधे बंद होने की वजह से लाखों लोगों के रोजगार छिन चुके हैं, लाखों लोगों की वेतन वाली नौकरियां जा चुकी हैं, निजी संस्थानों में कर्मचरियों के वेतन में भारी कटौती की गई है, जो फेरी लगाने, मिस्त्रीगीरी, इधर से उधर सामान पहुंचाने वगैरह का काम किया करते थे, उनके धंधे में भारी गिरावट आई है। ऐसे में देश के हर वर्ग के सामने अपने दैनिक खर्च में संतुलन बिठाना मुश्किल हो रहा है। तिस पर पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस आदि की ऊपर चढ़ती कीमतें उनकी चुनौतियां और बढ़ा रही हैं।

ईंधन की कीमतें बढ़ने से रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली दूसरी वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ती हैं। उनकी उत्पादन लागत, ढुलाई आदि पर खर्च बढ़ जाता है, जिसे अंतिम रुप से आम उपभोक्ता को ही वहन करना पड़ता है। लोगों की कमाई लगातार घटती गई है और उनके रोज के यातायात और खाने-पीने पर खर्च बढ़ गए हैं। इसके अलावा बच्चों के स्कूल की फीस, उनकी पढ़ाई-लिखाई से जुड़े दूसरे खर्चों को संभालना मुश्किल है। स्थिति यह है कि इस वक्त महंगाई अपने चरम पर है। उसे काबू में करने के तमाम प्रयास विफल हो चुके हैं।

बैंकों की ब्याज दरें निम्नतम स्तर पर रखी गई हैं, ताकि बाजार में कुछ गति आए, पर उसका भी कोई असर नहीं हुआ। इसलिए कि लोगों की क्रयशक्ति काफी कम हो गई है और उन्हें जब रोजमर्रा के खर्च पूरा करने में ही हाथ रोक कर चलना पड़ रहा है तो दूसरे टिकाऊ सामान और विलासिता की चीजों पर उनसे खर्च की उम्मीद ही भला केसे की जा सकती है। स्वाभाविक ही महंगाई की सबसे बुरी मार निर्धन और औसत आय वाले परिवारों पर पड़ती है। यह सब जानते हुए भी सरकार की तरफ से तेल की कीमतों पर लगाम लगाने के व्यावहारिक उपाय नजर नहीं आ रहे।

यह ठीक है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो उसका असर खुदरा कीमतों पर भी पड़ती है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। पिछले कार्यकाल में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इस तर्क के साथ सीधे अतिरिक्त कर लगाए थे कि उस राशि का उपयोग तेल संकट के समय में किया जाएगा। उस राशि से तेल पूल बनाने की भी योजना थी। उस कर में लगातार बढ़ोतरी हुई है, पर तेल संकट से उबरने की दिशा में एक भी उपाय नजर नहीं आता। कुछ राज्य सरकारों ने तेल पर अपने करों में कटौती की है, मगर उसका भी कोई उल्लेखनीय नतीजा नहीं निकला है। जब तक केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और प्राकृतिक गैस की कीमतों को संतुलित करने के लिए कोई व्यावहारिक कदम नहीं उठाती, तब तक आम लोगों की मुश्किलें शायद ही कम हों।

पीएम आवास योजना : केंद्र की बकाया ६.१८ करोड़ रु. की निधि नगरपरिषद को प्राप्त

जल्द लाभार्थियों के खातों में होगी जमा - विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया – प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत गोंदिया शहर में डीपीआर-१ व डीपीआर-२ के तहत मंजूर आवास के कार्य अप्राप्त निधि के चलते पिछले ३ वर्षों से अधूरे होने से लाभार्थियों को भारी आर्थिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा था। इस मामले पर गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने कुछ दिन पूर्व ही मुंबई गृहनिर्माण मंत्रालय के सचिव मिलिंद म्हेस्कर से मुलाकात कर केंद्र द्वारा रुकी निधि त्वरित देने की मांग की थी। इस मामले पर गृहनिर्माण विभाग के सचिव महेस्कर ने सकारात्मक चर्चा कर जल्द ही लंबित निधि प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया था।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत डीपीआर-१ अंतर्गत ५१५ एवं डीपीआर -२ अंतर्गत ५२० आवास मंजूर हुए थे। इन आवासों के निर्माण हेतु राज्य की ३ किस्तों की निधि प्राप्त हुई थी। परंतु केंद्र द्वारा प्राप्त ३ किस्तो की निधि उपयोगिता प्रमाणपत्र के चलते रुकी पड़ी थी। पिछले ३ सालों से मंजूर आवास निर्माण हेतु केंद्र की निधि नही मिलने से जरुरतमंद लाभार्थियों को अधूरे मकान निर्माण के चलते किराये के मकानों में, पंडाल डालकर रहना पड़ रहा था।

लाभार्थियों की रुकी किश्तों के मामलों को विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा गंभीरता से लेते हुए कुछ दिन पूर्व ही उन्होंने गृहनिर्माण विभाग के सचिव मिलिंद महेस्कर से मुलाकात की, तथा आवास योजना की केंद्र की लटकी निधि त्वरित प्रदान कराने की मांग की।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गृहनिर्माण विभाग के सचिव महेस्कर ने जल्द ही निधि प्रदान करने हेतु विधायक विनोद अग्रवाल को आश्वस्त किया। जिसके चलते ६ करोड़ १८ लाख रु. की रुकी निधि ६ जुलाई को नगर परिषद को प्राप्त हुई है। अब ये निधि जल्द ही लाभार्थियों के खाते में होगी तथा अधूरे रुके हुए आवास के कार्यों को गति मिलेगी। जिससे उनके सपनों का आशियाना पूर्ण होंगा, ये विश्वास विधायक विनोद अग्रवाल ने व्यक्त किया।

एलईडी लाईट के लिए कच्चा माल देने के नाम पर धोखाधड़ी

३ लाख ६० हजार का लगाया चूना

गोंदिया - सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम कावराबांध निवासी फरियादी ओमप्रकाश गोपालदास लिल्हारे को एलईडी बल्ब के लिए लगने वाले कच्चा माल सप्लाई करने के नाम पर धोखाधड़ी कर दिल्ली निवासी आरोपी द्वारा ३. ६० लाख रुपये का चूना लगा दिया।

गौरतलब है कि सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम का कावराबांध निवासी ओमप्रकाश गोपालदास लिल्हारे द्वारा अपने ग्राम में एलईडी लाईट बनाने का उद्योग स्थापित किया था। उपरोक्त व्यवसाय में लगने वाले कच्चे मटेरियल के लिए दिल्ली निवासी नीरजकुमार शर्मा को आइकोर नाम से कंपनी में कच्चे माल आपूर्ति करने के लिए ऑनलाइन द्वारा ५ लाख २२ हजार रुपये का व्यवहार किया गया था। लेकिन आरोपी द्वारा धोखाधड़ी कर कच्चा माल ना देकर ऑनलाइन द्वारा १ लाख ६२ हजार रुपये वापस कर दिए तथा ३ लाख ६० हजार रुपये अब तक वापस ना कर फरियादी के साथ धोखाधड़ी की।

उपरोक्त मामले में फरियादी की मौखिक शिकायत के आधार पर सालेकसा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ४२० के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच व सपोनि जानकर द्वारा की जा रही है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल करने में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहें।

नक्सलियों को विस्फोटक और हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह के ८ सदस्य गिरफ्तार

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को किया था हथियार सप्लाई, जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट – बालाघाट पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ कमरतोड़ कार्यवाही करते हुए नक्सलियों को विस्फोटक और हथियार सप्लाई किये जाने वाले गिरोह के ८ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने विस्फोटक जिलेटिन रॉड, पिस्टल, एके ४७, कोडेक्स, दो वाहन, एलईडी टॉर्च, सामान्य टॉर्च सहित अन्य सामग्रियों की बरामदगी की है। पुलिस की मानें तो आरोपियों द्वारा इससे पहले भी मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के नक्सलियों को विस्फोटक और हथियार सप्लाई किया है। पुलिस अब इनके नेटवर्क को तलाशने में जुटी है। आरोपियों के पकड़ाये जाने के बाद पुलिस को कुछ लोगों के नाम भी मिले है, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। संभवत: आगामी समय में इस मामले से जुड़े और भी लोग पुलिस हिरासत में लिये जा सकते है।

प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रो से गोपनीय सूचना मिली थी कि बालाघाट जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति दो-चार पहिया वाहनों से नक्सलियों का हथियार तथा विस्फोटक सामग्री एवं अन्य उपयोगी सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से आये हुए है। जिसके बाद बालाघाट पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम की मदद से वाहनों की घेराबंदी कर थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगलो में वाहनों को रोककर उसकी तलाशी ली, तो उसमें अवैध हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं नक्सलियों द्वारा उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री बरामद की गई है। जिसका उपयोग नक्सली, नक्सली उन्मूलन में लगे सुरक्षाबलों पर जानलेवा हमला किये जाने की जानकारी मिली है। दोनों ही वाहनों में सवार ८ लोगों को पकड़ा गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में आगामी समय में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

८ आरोपियों के पास से पुलिस ने बरामद किये विस्फोटक और हथियार

नक्सलियो को पहुंचाने लाये गये विस्फोटक और हथियार सहित अन्य सामग्री के साथ पुलिस ने अपराध की धारा १२०बी आईपीसी, २१, २३, १३(१)(ए)(बी) यूएपीए अधिनियम, २५ आर्म्स एक्ट और ४/५ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोपी महाराष्ट्र मुंबई के ठाणे जिला अंतर्गत सुकरी पार्क सोसायटी

विजयपथ, मीरारोड़ (ईस्ट) निवासी ३५ वर्षीय संजय नकझीभाई चित्रोहा, ठाणे जिला अंतर्गत ००१ बीएमआई निवासी ३६ वर्षीय रोहित शिवाभाई बुटानी, महाराष्ट्र गोंदिया जिला अंतर्गत देवरी के परसोड़ी निवासी ३४ वर्षीय घनश्याम शिवलाल आचले, ३२ वर्षीय विजय जीवन कोरेटी, राजस्थान कोटा जिला अंतर्गत रामगंज मंडी के सुनेश निवासी ४५ वर्षीय शाकिर खान शेरजंग खान, झालवाड़ जिला अंतर्गत पुरानी जेल निवासी २७ वर्षीय तौसीफ उर्फ राजा अनवर चौधरी, सालरापाटन निवासी ३५ वर्षीय जितेन्द्रकुमार अग्रवाल, राजस्थान कोटा जिला अंतर्गत वाजिद ४२ वर्षीय वाजिद चौधरी अब्दुल कयुम को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने ३२ इंच पिस्टल ३ नग, मैगजीन ३ नग, एके ४७ मैगजीन अनफर्निस्ड १ नग, जिलेटीन रॉड ८ नग, कोंडेक्स लाल रंग की करीब २० फिट, २ इनोवा एवं स्कोंडा कार, एनड्राईड मोबाईल, एलईडी टॉर्च ९ नग, सामान्य टॉर्च २ नग, टेंट ६ नग सहित छाता, एयर पंप, एमपी३ प्लेयर और अन्य सामग्री बरामद की है।

तार से तार जोड़ने में लगी पुलिस

नक्सलियों को विस्फोटक, हथियार सहित सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री को सप्लाई करने वाले गिरोह से प्रारंभिक पूछताछ में कई बातों का पता चला है। मसलन साल में ५-६ बार आरोपियों द्वारा जिले के तांडा, मलाजखंड, विस्तार दलम सहित अन्य दलम को इन्होंने विस्फोटक और हथियार सप्लाई किये थे। जिनके बैंक खाते में इसके २५ से ३० लाख रुपये का लेनदेन का भी पता चला है। पुलिस की मानें तो आरोपी नक्सलियो की बैठकों में शामिल होकर नक्सली संगठन के कमांडर सहित बड़े लोगों से उनकी आवश्यकतानुसार विस्फोटक और हथियारों की जरुरतों की सूची लेकर उन्हे सप्लाई करने का काम करते थे। पुलिस को इनके कुछ स्थानीय सूत्रों का भी पता चला है, जो नक्सलियों से मिलने और उन तक सामान पहुंचाने में इनकी मदद करते थे।

पुलिस मामले में इन सभी तारों को जोड़कर इनके पूरे नेटवर्क की तलाश में जुट गई है। हालांकि यह पूरी तरह कमर्शियल थे। मतलब इनकी नक्सली विचारधारा से कोई मेल है, ऐसा अब तक सामने नहीं आया है। यह केवल पैसे के लिए नक्सलियों को विस्फोटक, हथियार और जरुरी सामग्री मुहैया करवाने का काम करते थे। पुलिस अब यह पता करने में जुटी है कि बड़ा विस्फोटक जिलेटिन की रॉड इनके पास कैसे पहुंची? पुलिस की मानें तो नक्सलियों तक हथियार, एक्सप्लोसिव के अलावा हाईटेक इक्वीपमेंट भी पहुंचाने का काम आरोपी करते थे। इनके सप्लाई सामग्री में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। पुलिस अब आरोपियों से मिल रही जानकारी और विवेचना के बाद इस पूरे मामले को चेक करने में जुटी है।

बालाघाट के अलावा राजनांदगांव, कवर्धा, गोंदिया और गढ़चिरोली में नक्सली संगठन को सप्लाई किये हथियार

पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी की मानें तो नक्सलियों को विस्फोटक और हथियार सहित सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री सप्लाई करने के मामले में पकड़ाये गये आरोपियों ने बालाघाट सहित छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, कवर्धा और महाराष्ट्र के गोंदिया और गढ़चिरोली क्षेत्र में सक्रिय नक्सली संगठनों को भी हथियार और एक्सप्लोसिव सप्लाई किया है। जिनसे पूछताछ में और भी खुलासे हो सकते है।

जांच में और मामलों का खुलासे हो सकता है

मध्यप्रदेश पुलिस को लगातार ऐसी सूचनायें मिल रही थी कि नक्सलियों को विस्फोटक और हथियार सप्लाई किया जाता है। जिसकी काफी समय से तैयारी चल रही थी और विश्वसनीय सूत्रों से मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर किरनापुर थाना अंतर्गत दो संदिग्ध वाहनों को रोका गया। जिसकी तलाशी में नक्सलियों को भेजी जाने वाली विस्फोटक सामग्री को पुलिस ने बरामद किया है। जिससे नक्सली सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से उपयोग कर सकते थे। इस मामले में पुलिस ने ८ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से नक्सलियों को पहुंचाने लाये गये विस्फोटक, हथियार और सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने में उपयोग की जाने वाली सामग्री बरामद की गई हैं। जिनसे प्रारंभिक पूछताछ में कुछ और लोगों की जानकारी मिली है। जिन्हें भी पुलिस द्वारा जल्द ही पकड़ा जायेगा। आगामी समय में मामले में और खुलासे हो सकते है।

– **अभिषेक तिवारी,** पुलिस अधीक्षक, बालाघाट

गोंदिया में पशु संवर्धन पर आधारित ऑनलाइन उद्योजकता विकास प्रशिक्षण

महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के माध्यम से सर्वसाधारण घटक योजना के अंतर्गत सुशिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए गोंदिया में पशु संवर्धन पर आधारित उद्योजकता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम २ सप्ताह की कालावधी के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशु संवर्धन पर आधारित ऑनलाइन उद्योजकता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें बकरी पालन, मुर्गी पालन, गाय-भैंस पालन तथा प्राणियों की विभिन्न जाति गोठा बनाने, चारे की व्यवस्था, बीमारी व प्राथमिक उपचार, बीमा, प्रकल्प अहवाल आदि विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन किया जाएगा। साथ ही मार्केटिंग संभाषण कौशल्य, अकाऊंटिंग, शासकीय योजना अनुदान की जानकारी, बैंक कार्यपद्धती आदि विषयों पर भी जानकारी दी जाएगी। इस संदर्भ में अधिक जानकारी व प्रवेश के लिए महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के प्रकल्प अधिकारी संदीप जाने बोपचे चाल बालाघाट रोड गोंदिया के भ्रमणध्वनी क्रमांक ९६३७५३६०४१ पर संपर्क किया जा सकता है।

गारमेंट वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण

महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के माध्यम से सुशिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए गोंदिया में गारमेंट वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम १ सप्ताह की कालावधी के लिए आयोजित किया जा रहा है। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में गारमेंट कंपनी के संदर्भ में गारमेंट वस्त्र निर्माण, आधुनिक मशीनों द्वारा शर्ट-पैंट इस विषय पर विस्तृत प्रत्यक्ष मार्गदर्शन किया जाएगा तथा मार्केटिंग संभाषण कौशल्य, अकाऊंटिंग, शासकीय योजना व अनुदान की जानकारी, बैंक की कार्यपद्धति आदि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा। अधिक जानकारी व प्रवेश के लिए महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के प्रकल्प अधिकारी संदीप जाने बोपचे चाल बालाघाट रोड गोंदिया के भ्रमणध्वनी क्रमांक ९६३७५३६०४१ पर संपर्क किया जा सकता है।

आदिवासी युवक हत्या प्रकरण में सहायक पुलिस निरीक्षक सहित दो पुलिसकर्मी निलंबित

गोंदिया जिले के दवनीवाड़ा पुलिस थानांतर्गत लोहारा में आदिवासी युवक राजेश्वर डोमा किरसान (३६) की चोरी की बात को लेकर ग्राम के १० से ११ आरोपियों ने २३ जून को पिटाई कर राजेश्वर को बेहोशी की अवस्था में दवनीवाड़ा पुलिस थाने में चौपहिया वाहन में बिठाकर ले गए थे। जिसके बाद ६ जुलाई को सड़क अर्जुनी तहसील के बोपाबोड़ी जंगल से राजेश्वर का शव जमीन से खोदकर निकाला गया। इस मामले में पुलिस ने ११ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या तथा एट्रोसिटी का मामला दर्ज किया। इसी मामले में अपने कर्तव्य में अनियमितता बरतने पर जिला पुलिस अधिक्षक ने दवनीवाड़ा के एक एपीआई सहित दो पुलिसकर्मियों को प्रभावी रुप से निलंबित किया है।

संक्षिप्त समाचार

द्वेष भावना से धान की रोपाई को तणनाशक से किया बरबाद

प्रतिनिधी सालेकसा – ग्राम पंचायत कावराबाध अंतर्गत कुनबीटोला (गोवारीटोला) यहां के किसान नत्थूलाल रामप्रसाद मच्छिरके के खेत में लगे धान की रोपाई में जलन की भावना से तणनाशक (रन आउट) कचरा मारने की दवाई का छिड़काव कर हाइब्रिड प्रजाति ८४३३ धान के साथ पॉकेट के रुप वाटिका को नष्ट कर दिया गया है। जिससे किसान नत्थूलाल मच्छिरके को १० हजार का नुकसान उठाना पड़ गया है। बरसात न होने की वजह से किसान वैसे ही बहुत परेशान है। इसके बाद ऐसी घटना किसान के लिए बहुत दुखद है।

पत्नी की हत्या का प्रयास

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम झांजिया, सोनी निवासी फरियादी शारदा वामनराव दिहारी (२५) को उसके पति द्वारा जान से मारने का प्रयास किया गया। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी वामनराव कृष्णा दिहारी (३६) भोजन करने के पश्चात फरियादी की अजी सास को गालीगलौज कर रहा था। जिस पर फरियादी द्वारा मना किए जाने पर आक्रोशित पति द्वारा ज्यादा ना बोल, जबान ना लड़ा कहते हुए उसका गला दबाकर छाती पर मुक्कों से हमला करते हुए घसीट कर घर के बाजू में स्थित कुएं में ले जाकर जान से मारने के उद्देश्य से ढकेल दिया। उपरोक्त मामले में फरियादी के बयान के आधार पर गोरेगांव पुलिस थाने में भादवि की धारा ३०७, ३२३ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गोस्वामी द्वारा की जा रही है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

देवरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले सिरपुर निवासी हाल मुकाम देवरी सुरेश मानिकलाल ऊके (४३) द्वारा सिरपुर जंगल परिसर में एक पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार ९ जुलाई की सुबह वह अपनी पत्नी के साथ स्वयं के खेत पर बुवाई के कार्य से गया था। खेत में पत्नी को छोड़कर खाद की बोरी लाकर पेट्रोल पंप पर कार्य पर जाने की बात कह कर निकल गया। लेकिन वह काम पर नहीं पहुंचा। इस प्रकार की जानकारी पेट्रोल पंप के मजदूरों द्वारा दी गई। जिसके पश्चात परिजनों द्वारा उसकी तलाश शुरु की गई। लेकिन पता नहीं लग पाया। जिसके पश्चात १० जुलाई की सुबह ६ बजे के दौरान सिरपुर जंगल परिसर में मवई के पेड़ पर नायलॉन की रस्सी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया। उपरोक्त मामले में फरियादी दिनेश मानिकलाल ऊके सिरपुर निवासी की मौखिक शिकायत पर देवरी पुलिस थाने में आकस्मिक मौत की धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा गायधने द्वारा की जा रही है।

गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम चुटिया लोधीटोला निवासी फरियादी देवेंद्र साहेबलाल बघेले (३६) यह अपनी दुकान में उपस्थित था। इसी दौरान तीन आरोपियों द्वारा उसकी दुकान में पहुंचकर खेती के विषय को लेकर अश्लील गालीगलौज कर कलर पकड़ते हुए लोहे की सलाख से मारने का प्रयास किया तथा फरियादी के माता-पिता को जान से मारकर गड्ढ़े में गाड़ देने की धमकी दी। उपरोक्त मामले में फरियादी की शिकायत पर शहर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३५२, २९४, ५०४, ५०६, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक रामभाऊ व्होड़े द्वारा की जा रही है।

जहर खाकर की आत्महत्या

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कारंजा बस स्टॉप समीप निवासी वीरेंद्रसिंह नरेंद्रसिंह चौहान (५४) द्वारा विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया गया। जिससे उसकी स्थिति बिगड़ने पर उपचार के लिए गोंदिया जिला शासकीय चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वैद्यकीय अहवाल के आधार पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा मल्लेवार द्वारा की जा रही है।

रेलवे स्टेशन में ट्रैफिककर्मी की नियुक्ति करें

गोंदिया रेलवे स्टेशन परिसर में काफी समय से ट्राफिक बुथ का निर्माण हो चुका है। लेकिन अगर नियमित रुप से इसका संचालन करना है तो रेलवे स्टेशन पर ट्रैफिक पुलिस की नियुक्ति की व्यवस्था करना आवश्यक है। जिसमें रात्रि में आने जानेवाले यात्रियों को सुविधा होगी। साथ ही रेलवे स्टेशन के परिसर में होने वाले भीड़ का भी प्रबंधन करने में आसानी होगी। इस विषय में यातायात शाखा के निरीक्षक दिनेश तायडे से रेलवे सलाहकार समिति ने बातचीत कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रमुख रुप से रेलवे सलाहकार समिति के सूरज नशीने, दिव्या भगत पारधी, लक्ष्मण लधानी, हरीश अग्रवाल, अखिल नायक प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

आमगांव के थानेदार की मनमानी आदिवासी महिला की रिपोर्ट लेने में आनाकानी

जिला पुलिस अधीक्षक से कारवाई की मांग

आमगांव – स्थानीय पुलिस थाने मे इन दिनों अन्याय, अत्याचार, पिड़ित लोगों की रिपोर्ट नहीं ली जाती तथा अत्याचार करने वाले को पनाह दी जा रही है। ऐसी अनेक खबरें सुनने को मिल रही है। लेकिन किसी भी पिड़ित व्यक्ति ने यहां पर तैनात थानेदार विलास नाड़े के खिलाफ वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयो को शिकायत करने का साहस नहीं किया है। मगर अपने ऊपर हो रहे जुल्म से त्रस्त होकर एक आदिवासी विधवा महिला ने जिला पुलिस अधीक्षक गोंदिया से न्याय की गुहार लगाई है। अब आगे देखना है कि जिला पुलिस अधीक्षक स्थानीय पुलिस थानेदार एवं आरोपीयों पर क्या कार्रवाई करते है?

स्थानीय नगर परिषद अंतर्गत आ रहे बिरसी की अन्याय पिड़ित विधवा महिला मथुराबाई गुनेश्वर जोशी (६३) ने जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे गोंदिया को दिये गये लिखित शिकायत में बताया की विगत २६ वर्ष पुर्व ग्राम के समिप लगी झुड़पी जंगल की पड़ीत जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बनाया है। जिसका पट्टा जिलाधिकारी गोंदिया के आदेशानुसार वर्ष २०१० मे मिला है। गत दि. ११ जुन २०२१ को भुमि अभिलेख कार्यालय के कर्मीयों से जमीन का मोजमाप कराया और उसमे कुंपन किया। गट क्र. ३६८/१ की जमीन पर लगाये गए कुंपन को २८ जुन २०२१ को दोपहर १२ बजे ग्राम बिरसी के राधेलाल दुलिचंद बावनकर, सुकराम भरुलाल भगत, योगराज हुकरे एवं झुमकलाल सोनवाने ने मेरा लगाया कुंपन तोड़कर खात के गड्ढे बनाये। खात के गड्ढे मेरे जमीन मे क्यो बना रहे हो? यह कहकर

रोकने गयी तो मुझे जातीवाचक गाली-गलौज कर मारने पीटने की धमकी दे रहे थे। भुक्तभोगी आदिवासी विधवा महिला ने शिकायत में लिखा है की उक्त प्रकरण की गंभीरता देखते हुए पुलिस थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराने गयी तो थानेदार ने मेरी रिपोर्ट लेने से इंकार कर दिया और कहने लगा कि तुम ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। मेरी रिपोर्ट नहीं लिया। वास्ते मैंने २ जुलाई २०२१ को जिला पुलिस अधीक्षक गोंदिया से शिकायत कर प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी आरोपीयों पर अनुसचित जाती, जमाती अधिनियम के तहत कारवाई की मांग की है।

बता दे कि दि. २१ मई २०२१ के रात्री हवालात मे बंदी आरोपी राजकुमार अभयकुमार (३०) की पिटाई करने के आरोप मे तत्कालीन थानेदार सुभाष चव्हाण सहित पांच पुलिस अधिकारी, कर्मचारी को बंदी बनाया गया है। तत्पश्चात यहां पर थानेदार के पद पर विलास नाड़े की नियुक्ति जिला पुलिस अधीक्षक गोंदिया ने की है। थानेदार विलास नाड़े ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात फरियादी की रिपोर्ट दर्ज नही करायी जाने का समाचार मिल रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस थाने मे कोई भी व्यक्ति अपनी फरियाद दर्ज करने आता है तो उसकी फरियाद उसके कहने अनुसार दर्ज करना चाहिए ऐसा नियम है। लेकिन डायरी पर तैनात पुलिसकर्मी फरियाद लिखाने आये पिड़ितों से उल्टा-सीधा सवाल कर पहले टालमटोल करते है तथा उन्हे तीन-चार घंटे थाने में बिठाकर रखते है। जैसे फरियादी ही आरोपी हो। फरियादी पुलिस कर्मचारीयों के व्यवहार से त्रस्त होकर रिपोर्ट लिखाये बिना ही लौट जाता है। आखिर पुलिसकर्मी ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे विद्युत पोल शिघ्र हटाया जाय - अग्रिका

संवाददाता आमगांव – रेल्वे स्टेशन से बाघनदी पुलिया तक मार्ग निर्माण का कार्य शुरु है। जिसमें मार्ग का अधिकांश काम हो गया है। लेकिन मार्ग के बिचोबिच पानी टंकी चौक पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर एवं कामठा मार्ग चौक मे खड़े विद्युत पोल के कारण कभी भी दुर्घटना घट सकती है। उक्त ट्रांसफार्मर एवं विद्युत पोल तथा दोनो साईट के मार्गपर आरहे विद्युत पोलो को शिघ्र हटाने की मांग नगर कांगेस के पुर्व अध्यक्ष शंभुदयाल अग्रीका ने मार्ग निर्माण करने वाली शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी एवं महाराष्ट्र विद्युत वितरण कंपनी से किया है। काग्रेस नेता शंभुदयाल अग्रीका ने बताया कि शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी मार्ग का निर्माण कार्य कछुवा गति तथा खंड खंड हिस्सो में कर रही है। वर्तमान समय बरसात का मौसम होने से राहगिरों को आवाजाही करने बड़ी दिक्कत उठानी पड़ती है। दुसरी ओर कही सिंगल तो कही डबल मार्ग का निर्माण कार्य शुरु होने से नगर में ट्राफिक जाम हो जाता है। और विद्युत पोल मार्ग पर खड़े होने से कभी भी वाहनों के टकराने से बड़ी दुर्घटना हो सकती है। अब देखना यह है कि उक्त पोल को कंस्ट्रक्शन कंपनी हटाती है या विद्युत विभाग?

पोलिस कस्टडी में मृत व्यक्ति के परिवार को आर्थिक सहायता

संवाददता आमगांव – पोलिस कस्टडी में मृत व्यक्ति के परिवार को ८ जुलाई को विधायक सहसराम कोरोटे द्वारा आर्थिक मदत की गई। इस अवसर पर कांग्रेस तहशील अध्यक्ष संजय बहेकार, संघटक प्रमुख महेश ऊके, तारेंद्र रामटेके, प्रभा उपराडे, छबु उके, श्यामकुंवर आदि कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्तिथ थे।

शासन के प्रस्तावित प्रलंबित कार्यो की निविदाएं जल्द से जल्द निकाल कर कार्य करें पूर्ण - पंकज यादव

गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत नगरोत्थान, दलित उद्धार, दलित वस्ती योजना के अंतर्गत करोड़ों रुपए के कार्य जिसमें रस्ते व अन्य विकास कार्य प्रस्तावित कर तथा टीएस कर जिलाधिकारी कार्यालय में गत ८ से ९ महीने से प्रलंबित पड़े हैं। जिसकी राशि शासन से प्राप्त हो चुकी है कि निविदाएं निकालकर जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने की मांग का पत्र मुख्यमंत्री के नाम पार्षद पंकज यादव द्वारा देकर की है।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लिए नगरोत्थान दलित उद्धार, दलित वस्ती योजना के अंतर्गत करोड़ों रुपए के कार्य मंजूर होकर प्रस्तावित हो चुके हैं। तथा जिसका टीएस कर जिलाधिकारी कार्यालय में भेजा गया। लेकिन विगत ८ से ९ महीने से प्रलंबित है। उपरोक्त सभी कार्यों की निधि शासन से प्राप्त हो चुकी है। यदि इस वर्ष उपरोक्त कार्यों को नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में निधि प्राप्त नहीं होंगी विशेष यह है कि शासन से प्राप्त फंड की प्राप्त निधि से कार्य होने पर गोंदिया नगर परिषद के जनरल फंड से कार्य करने की आवश्यकता नहीं होंगी। उल्लेखनीय है कि शहर के विकास कार्यों को रोकने का एकमात्र उद्देश्य महाविकास आघाडी सरकार को बदनाम करने की साजिश है। जिसके लिए पंकज यादव द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से पत्र लिखकर निवेदन किया गया है कि सभी कार्यों की निविदाएं निकालकर जल्द से जल्द शहर के विकास कार्यों को गति प्रदान की जाए। जिसकी प्रतिलिपि नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, पालकमंत्री नवाब मलिक व जिलाधिकारी गोंदिया को दी गई है।

जिले में होगी विदेशी मेहमान परिंदों की मेहमाननवाजी

परिंदों के भोजन के लिए लगाई जा रही विभिन्न प्रकार की घास

गोंदिया जिले में दिसंबर माह से ही विदेशी पक्षियों का आना शुरु हो जाता है। जिले के झिलमिली, सलंगटोला, सोदलागोंदी जलाशयों के तट पर सारस पक्षियों के साथ विदेशी पक्षी निवास कर भोजन करते है। लेकिन विदेशी पक्षियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं होता। जिसे देखते हुए वन विभाग के माध्यम से इन जलाशयों में विभिन्न १० प्रकार की घास लगाई जा रही है। जिससे विदेशी पक्षियों को १० प्रकार का भोजन उपलब्ध होगा। घास लगाने की प्रक्रिया युद्धस्तर पर शुरु कर दी गई है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में सारस पक्षी पाए जाते है। जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक पहुंचते है। साथ ही ३ हजार किलोमीटर से अधिक की लंबी दूरी की यात्रा तय कर सायबेरिया, पूर्व चीन, युरोप, इंग्लैड, बांग्लादेश, लद्दाख, पूर्व एशिया तथा अन्य देशों से हजारों पक्षी झिलमिली, सलंगटोला, सोदलागोंदी तथा अन्य जलाशयों पर पहुंचते है। जहां पर लगभग ३ माह अधिवास कर देशी पक्षियों के साथ भोजन करते है। लेकिन विदेशी पक्षियो को जिस तरह का भोजन पसंद होता है, उस तरीके का भोजन उन्हें उपलब्ध नहीं हो पाता। उनकी सुरक्षा तथा संरक्षण के लिए इन जलाशयों पर १० प्रकार की घास लगाई जा रही है। जिसमें परसुड, हरक, कमल, शिमनी फुल, लेडुरली, डेहंगो, दात्या, सावा, कईस, उरसड घास का समावेश है। यह घास विदेशी तथा सारस पक्षियो का मनपसंदीदा भोजन है। इन घासों को लगाने का कार्य गोंदिया वन विभाग द्वारा युद्धस्तर पर शुरु कर दिया गया है।

सारस व विदेशी पक्षियों की बढ़ेगी संख्या

उपरोक्त जलाशयों में सारस पक्षियों के साथ विदेशी पक्षी प्रतिवर्ष ठंड के महिनों में पहुंचते है। उनके भोजन की व्यवस्था हेतु उपरोक्त १० प्रकार की घास लगाई जा रही है। भोजन की व्यवस्था सुरक्षित व पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने से सारस पक्षियों के साथ विदेशी पक्षियों की संख्या बढ़ेगी तथा उनकी सुरक्षा तथा संरक्षण भी बना रहेगा। इतना ही नहीं तो जैवविविधता निर्माण होने में मदद मिलेगी। यह घास गोंदिया जिले के प्रसिद्ध नवेगांवबांध जलाशय से लाया जा रहा है।

– **मुकुंद धुर्वे**, मानद वन्यजीव रक्षक, गोंदिया

नकली डीएपी खाद से किसान रहे सावधान - जिला कृषि अधिकारी

गोंदिया जिले में नकली डीपीए खाद बिक्री किए जाने की जानकारी कृषि विभाग के सामने आई है। जिसके चलते जिला कृषि अधिकारी द्वारा किसानों से आव्हान किया गया है कि नकली खाद से सावधान रहें।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में नकली डीपीए खाद बिकृी किए जाने की जानकारी कृषि विभाग के सामने आई है। उपरोक्त नकली खाद की पैकिंग पर डीपीए खाद होने का आभास होता है तथा वह नकली होने का स्पष्ट हुआ है।

उपरोक्त नकली खाद की कीमत ओरिजिनल डीपीए खाद की कीमत की अपेक्षा काफी कम कीमत में बिक्री कर किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। खाद नियंत्रण आदेश १९८५ के अनुसार इस प्रकार की नकली खाद की बिक्री करना नियमों का उल्लंघन है।

जिससे किसान डीपीए खाद की खरीदी करते समय जांच परख खरीदी करे खाद नकली ना हो तथा कहीं इस प्रकार की जानकारी सामने आने पर कृषि विभाग के व्हाट्सएप नंबर ८८५६०७८५९६ पर शिकायत करने का आव्हान जिला कृषि अधिकारी गणेश घोरपड़े द्वारा किया गया है।

गोंदियाचे नगराध्यक्ष मा.अशोक इंगळे यांच्या यशस्वी कार्यकाळातील धड़क विकास कामांचा विकासनामा

संस्कृति भवन

ऑक्सिजन प्लॉंट (प्रगतिवर)

मरारटोली समाज भवन

इंगळे चौक बोड़ी

न.प.शाळा, मरारटोली

सीआरएफ फंडातुन ३ पुल

झूलेलाल गेट

अग्निशमन कार्यालय

घरकुल योजना (प्रगतिवर)

संपूर्ण शहरात सिमेंट रोड

धोटे सुतिका गृह (प्रगतिवर)

३ घनकचरा गाड़ी

३ शॉपिंग कॉम्प्लेस (प्रगतिवर)

पार्किंग प्लाजा

१४ जुलै

- कोविड महामारीत शहराचे सेनिटाईजेशन, मृतकांचे मोफत दाहसंस्कार, कोरेंटाईन सेंटर व लसीकरणाकरिता जागा उपलब्ध करणे.
- क्रीडा संकुल मध्ये ऑक्सिजन प्लांट व कोविड सेंटर
- गोंदिया शहरात 193 कोटी रु. चे केन्द्र सरकाराच्या सीआरएफ फंडातुन 3 ओवरब्रीज
- गरजुंना 4000 मोफत नळ कनेक्शन (प्रगतिवर)
- गोंदिया शहरात 6500 एलईडी लाईट्स
- अमृत योजने अंतर्गत न.प.च्या विविध जागेवर 7 गार्डन व सौदर्यीकरण
- शहरात 5 बाल उद्यान (प्रगतिवर)
- मुक-बधीर मुला-मुलीनं करिता शाळा
- 2 अंग्रेजी माध्यम शाळा बांधकाम (प्रगतिवर)
- घनकचरा करिता न.प. मालकिची जागा खरेदी
- ग्रीन गोंदिया करिता 11 हजार वृक्ष लागवड (प्रगतिवर)
- गोंदिया शहरात 7 सुसज्ज सुलभ शौचालयाचे नियोजन
- जलसंवर्धन साठी पांगोली नदीवर 50 लक्ष रुपयांचे बंधारा बांधकाम
- स्वच्छ महाराष्ट्र माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत जनजागृति साठी वॉल पेंटिंग
- शहरात 2,077 हेक्टर भुमीचा सिटी सर्वे
- दरवर्षी दिव्यांगना 10,000 रु. निधी वितरण

मनानं **दिलदार**
दिसायला **रुबाबदार**
बोलनं **दमदार**
वागणं **जबाबदार**
कामात **खबरदार**
काका आमचा **शानदार**

आपले वाढदिवसानिमित्त मन:पूर्वक अभीष्ठचिंतन आणि उदंड आयुष्यासाठी

हार्दिक शुभेच्छा

...शुभेच्छुक...

धनश्याम पानतवने (गटनेता), शिव शर्मा (उपाध्यक्ष), राजकुमार कुथे (सभापति)
जितेन्द्र पंचबुद्धे (सभापति), विवेक मिश्रा (सभापति), अफसाना पठान (सभापति), नेहा नायक (सभापति)
दिनेश दादरिवाल, भरत क्षत्रिय, दीपक बोबडे, दिलीप गोपलानी, धर्मेश अग्रवाल, भावना कदम, मैथुला बिसेन, रत्नमाला साहू
विमला मानकर, अनिता मेश्राम, आशालता चौधरी, हेमलता पतेह, नीतु बिरिया, मौसमी परिहार, वर्षा खरोले

डिजाईनिंग : शैल प्रिन्ट्स 9075239320 संकलन : मुकेशकुमार मिश्रा 9175283740

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।